**Title:** Regarding reported atrocities on Scheduled Castes in Uttar Pradesh.

**कुमारी माया्वती (अक्बरपुर) :** माननीय अध्यक्ष जी, आज प्रश्न काल में मुझे, उत्तर प्रदेश में जो दलित उत्पी़ड़न हो रहा है और आए दिन दलितों की हत्याएं हो रही हैं, उसके बारे उत्तर प्रदेश की सरकार को दलितों के ऊपर हो रहे उत्पी़ड़न की रोकने के लिए उदा्सीनता वाला रव्ैया अपनाने के कारण, मज्बूर होकर मुझे और मेरी पार्टी के सद्स्यों को वैल में आना प़ड़ा।â€¦( व्यवधान) आप सुनिए तो सही। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को और खा्स तौर से सरकार को यह अ्वगत कराना चाहती हूं कि लखनऊ जो उत्तर प्रदेश की राजधानी है, लखनऊ कमि्श्नरी में हरदोई जिले के मुख्या्लय में कल एक ब़ड़ी दर्दनाक घटना दलितों के साथ घटी है। हरदोई शहर में दलितों के एक मोहल्ले में फैजा्बाद जिले में तैनात एक पुलि्स सब इंस्पैक्टर अपने साथ कुछ द्बंग कि्स्म के लोगों को लेकर हथि्यारों सहित हमारे दलित समाज के घर में घु्सा और एक परि्वार के चार सद्स्यों को गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया। यह कल की घटना है। इतना ही नहीं उसके बाद पूरे इलाके में दलितों की ब्स्ती में दह्शत का वाता्वरण पैदा करने के लिए वह सब इंस्पैक्टर अपने साथ द्बंग कि्स्म के लोगों को साथ लेकर, जि्स घर में घु्स कर उ्सने चार दलितों की हत्या की थी, उ्स मकान के ऊपर जा कर खड़ा हो ग्या और ह्वा में गोली चलाई। आ्सपा्स दह्शत का वाता्वरण पैदा कि्या कि इनकी मदद के लिए कोई नहीं आएगा।

नतीजा क्या हुआ कि पूरे हरदोई और उ्सके आ्सपा्स के इलाके में, दलितों में, एक दह्शत का माहौल पैदा हो ग्या है और हरदोई के करी़ब कल की वारदात से वहां लग्भग एक दर्जन देहातो करी़ब एस.सी. के लोग अपने घरों को छो़ड़कर भाग ग्ये हैं, घरों को छो़ड़ने के लिए उन्हें मज्बूर होना प़ड़ा। यह कल की घटना है और इतना ही नहीं इ्स घटना से पहले एक मई को जि्स दिन लेबर डे था, हमारे माननीय लेबर मिनि्स्टर सा्हब इधर बैठे हैं, मैं माननीय गृह मंत्री जी के सा्थ-सा्थ उनको भी बताना चाहती हूं कि एक मई की रात को, टूंडला के नजदीक ब्सई गां्व जो बि्ल्कुल मेन रोड पर लगा हुआ है, शैड्यूल का्स्ट के चार व्यक्ति एक ट्रक पर आलू लद्वा कर ज्ब घरों को लौट रहे थे तो बता्या जाता है कि पुलि्स वहां ग्श्त कर रही थी और पुलि्स कर्मि्यों ने उनको गा़ड़ी में बिठा्या और बिठाकर थाने में ले ग्ये। वहां के लोगों का कहना है क्योंकि 6 मई को मैं खुद टूंडला के करी़ब ब्सई गां्व में ग्यी हुई थी और मैंने मृतक के परि्वार के सद्स्यों से खुद बात की है। मैं आपको उनकी बताई हुई बात बताना चाह रही हूं क्योंकि एक मई को पुलि्स ग्श्त दे रही थी और वहां पर काम करके लौट रहे एस.सी. के चार लोगों को चली गई , उनको प्रताड़ित कि्या और फिर उन्हें मार दि्या तथा यह मालूम न हो कि यह पुलि्स महकमे के लोगों ने मारा है, उनको मारकर ब्सई गां्व के बाहर उनकी डैड बॉडी को फेंक दि्या। उ्सके नजदीक ही एक कोल्ड स्टोरेज था और वहां एक चौकीदार चौकीदारी कर रहा था। वह जाट बिरादरी से था, उ्सने कहा कि आप क्या फेंक रहे हैं ? पुलि्स ने सोचा कि यह तो आइ-विटने्स बन जाएगा तो पुलि्स कर्मि्यों ने उ्से ही गोली मार दी। इ्सले वह बेहो्श होकर गिर ग्या. पुलि्स वहां से भाग गई। सुबह ब्सई गां्व के लोग उठे तो उन्होंने देखा कि गां्व के बाहर चार डैड बॉडीज प़ड़ी हुई हैं और पुलि्स कर्मी की टोपी भी वहां प़ड़ी रह गई थी क्योंकि भागम भाग में टोपी उधर रह गई। इ्सले यह साफ जाहिर होता है कि ये हत्याएं पुलि्स कर्मि्यों ने की थीं। उनकी डैड बॉडीज को पुलि्स-कर्मी डि्स्ट्रिक्ट कलैक्टर के आदे्श से पो्स्ट मार्टम के लिए लेकर ग्ये. उ्सके बाद डैड बॉडीज को उनके परि्वार के लोगों को सौंपनी चाहिए थी। लेकिन ब्सई गां्व के लोगों में पुलि्स और पुलि्स उत्पी़ड़न के खिलाफ इतना आक्रो्श था कि टूंडला में जनता स़ड़कों पर उतर आई। इतना ही नहीं, वहां के्वल एस.सी. समाज के ही लोग नहीं थे, बल्कि हर समाज के लोग स़ड़कों पर उतर आए और ज्ब उन्होंने कहा कि पुलि्स के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करते हैं और आप डैड बॉडीज को मृतक के परि्वार वालों को सौंप दो लेकिन परि्वार के लोगों को डैड बॉडीज नहीं सौंपी ग़ई। डि्स्ट्रिक्ट कलैक्टर ने भी़ड़ के ऊपर गोली चल्वा दी और नतीजा क्या हुआ कि वहां एक जाट बिरादरी का आदमी मौके पर ही मारा ग्या। एक मई की रात को चार एस.सी. के आदमी और जाट बिरादरी का एक आदमी दो तारीख को पुलि्स की गोली से मारा ग्या और ज्ब इन पांच परि्वार के लोगों ने कहा कि हमारे लोगों की डैड बॉडीज हमें दे दो तो आपका दिल दहल जा्येगा ज्ब उनकी महिलाएं वहां पहुंची क्योंकि ये पांचों मृतक वि्वाहित थे, उनकी उम्र ती्स साल से ऊपर नहीं थी। ती्स साल से नीचे की उम्र के वे होंगे। ज्ब उन पांचों की वि्धवाओं ने कहा कि हमें अंतिम दर्शन करने दो लेकिन पुलि्स महकमे के लोगों ने अंतिम दर्शन नहीं करने दिये और महिलाओं के ऊपर लाठीचार्ज कि्या। उन पांचों महिलाओं को बुरी तरह से मारा। ज्ब ब्सई गां्व की उन पांचो महिलाओं ने रो-रो कर बता्या कि हमारे इधर नि्शान हैं, हमारे इधर नि्शान हैं और मैं आपको बताना चाहती हूं कि उनमे से एक महिला ऐसी थी जि्सको पुलि्स ने इतना मारा था कि उ्सके मुंह और हाथों पर नील प़ड़े हुए थे, हाथ की हड्डी बाहर निकली हुई थी।

वह रोते हुए मेरे पैरों में आधे घन्टे तक प़ड़ी रही। कहने लगी कि हमारी कोई नहीं सुनेगा, आप हमारी सुनेंगी, लेकिन मैंने ज्ब उनका हाथ देखा तो मेरा दिल दहल ग्या। इतना ही नहीं, इ्सके बाद फिरोजा्बाद के डि्स्ट्रिक्ट क्लैक्टर का ब्यान आ्या, जि्समें कहा ग्या कि डैड-बाडी को नहीं देंगे और यदि मुझे दो्बारा गोली चलाने के आदे्श देने प़ड़े, तो मैं दूंगा। यदि शैड्युल्ट का्स्ट्स से 10-20 लोग और मर जाते हैं, तो मुझे कोई तकलीफ नहीं होगी। इसलिए मैं आपको बताना चाहूंगी कि डि्स्ट्रिक्ट क्लैक्टर की मिली-भगत से और टुंडला के नजदीक ब्सई गां्व में पुलि्स महकमें के लोगों ने चार शैड्युल्ड का्स्ट्स के लोगों को मौत के घाट उतारा और दिन में एक जाट को मारा। इतना ही नहीं, ब्सई गां्व के नजदीक कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर नकला मस्जिद है। मैं उ्स गां्व में 6 तारीख को गई थी। उ्स गां्व के अन्दर दो घन्टे तक डकैत लोग डकैती करते रहे, लोगों को मारते रहे, नतीजा यह हुआ कि तीन मुस्लिम समाज के लोग पहली तारीख को मारे, और कल हरदोई के अन्दर दिन-दहा़ड़े चार शैड्युल्ड का्स्ट्स के लोगों को घर में घु्स कर मारा ग्या। आ्सपा्स के गां्व खाली हो चुके हैं। इ्सी प्रकार दिल्ली के नजदीक मुरादा्बाद मंडल में कुछ ही दिन पहले चार शैड्युल्ड का्स्ट्स ल़ड़कों की शादी हुई थी, उनको दहेज में कुछ सामान मिला था। वहां डकैती हुई, इ्स बारे में पुलि्स को सब कुछ मालूम है। पुलि्स ने पहले से ही डकैतों को गिरफ्तार कर करके जेल भेज दि्या , जि्ससे वे रिमान्ड पर न ले जा सकें। माल लूटकर ले गए और एक आदमी मौके पर ही मर ग्या तथा एक आदमी मौत से जूझ रहा है। पूरे उत्तर प्रदेश में दलितों के ऊपर जगह-जगह उत्पीडन हो रहा है। मैं दुःख के सा्थ, माननीय अध्यक्ष महोद्य, आपके माध्यम से गृह मंत्री जी को बताना चाहती हूं, उत्तर प्रदेश के अन्दर, मेरी समझ में नहीं आ रहा है, ऐसा कौन सा ाड्यन्त्र चल रहा है, कि शैड्युल्ड का्स्ट्स ही मारे जा रहे हैं, तो चार से नीचे नहीं मारे जा रहे हैं। उन्होंने प्लान बना रखा है, मारने हैं, तो चार मारने हैं, चार से नीचे नहीं मारने हैं। शैड्युल्ट का्स्ट्स में भी जो मारे जा रहे हैं, चार-चार ही मारे जा रहे हैं और चार भी छांट-छांट कर चमार बिरादरी और जाट्व बिरादरी के लोग मारे जा रहे हैं। चार से कम नहीं मारे जाते हैं और कहते हैं कि हमने इधर चार जाट्व मारे हैं और उधर रदोई में चार चमार मारे हैं। यह कै्सा ाड्यंत्र है, यह कै्सी विडम्बना है कि जिधर भी शैड्युल्ड का्स्ट्स के लोग मारे गए हैं, चार से कम नहीं मारे जा रहे हैं। चार चमार इधर मार दिए और चार जाट्व उधर मार दिए और छांट-छांट कर चमार और जाट्वों को मारा जा रहा है। इसके पीछे हमें कोई सोची-समझी राजनीतिक सा्जि्श नजर आती है। इसकी वजह यह है कि उत्तर प्रदेश के अन्दर खा्स तौर से अनु्सूचित जाति में, चमार और जाट्व में, जो राजनीतिक अ्वैंकलिंग पैदा हुई है, उ्सके खिलाफ एक दह्शत का वाता्वरण पैदा करके, उनका उत्पी़ड़न करके, राजनीतिक तौर पर द्बाने की को्शि्श हो रही है। मैं माननीय गृह मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहती हूं कि यह मामला काफी गम्भीर है, हालांकि सुबह माननीय अध्यक्ष महोद्य कह रहे थे कि यह मामला प्रदे्श का है और इ्सको प्रदे्श की एसेम्बली में उठाना चाहिए। इ्स मामले को इधर नहीं उठाना चाहिए। मैं अध्यक्ष महोद्य को बताना चाहती हूं कि यह मामला उत्तर प्रदे्श कि विधान सभा और ि वधान परि्द में टुंडला का मामला, ब्सई गां्व का मामला, दलितों के उत्पी़ड़न का मामला कई दिन उठा, लेकिन सरकार ने कोई कार्य्वाही नहीं की। एमएल्सी का इलैक््शन हो रहा था, मैं लखनऊ में थी। सरकार ने कहा कि हमने चार हफ्ते का स्मय जांच के लिए दि्या है। जिन अधिकारि्यों ने टुंडला और हरदोई में गोली चल्वाई थी, उत्तर प्रदे्श की सरकार ने उनका त्बादला कर दि्या। त्बादला कोई सजा नहीं है, ज्ब तक आप दो्षी अधिकारि्यों के खिलाफ सख्त-से-सख्त कार्य्वाई नहीं करेंगे, उत्पी़ड़न कम नहीं होगा। उत्तर प्रदे्श में मैं भी मुख्य मंत्री रही हूं। मेरी हुकूमत के दौरान मजाल थी कि कोई कानून अपने हाथ में ले। दलितों की बात तो छो़ड़िए, कि्सी की भी उत्पी़ड़न करने की हिम्मत नहीं थी। मुझे इ्स बात का एह्सा्स है कि वहां की ब्युरो्क्रेसी मज्बूर है और लाचार है। माननीय गृह मंत्री जी, मुझे मालूम है, उत्तर प्रदे्श में आपके दल की सरकार है। वहां की सरकार इधर-उधर से विधा्यको को तोड ज्रूर बनी है, लेकिन एब्सोल्यूट मैजोरिटी नहीं है। सरकार आप ज्रूर चला रहे हैं, लेकिन जितने दिन भी आपकी सरकार चलेगी, उतने दिन आपका ग्राफ नीचे गिरेगा।

क्योंकि उत्तर प्रदे्श में जो आपकी सरकार है, उ्समें 21-22 के करी़ब ऐसे वि्धायक मिनि्स्टर बने हैं जिनका आपराधिक इतिहा्स है और वे अपराधियों से मिले हुए हैं और वे अपराधी लोग दू्सरे त्बके के लोगों का भी उत्पी़ड़न कर रहे हैं। ज्ब पुलि्स महकमें के अधिकारी उनके खिलाफ आ्वाज उठाते हैं तो जिनका आपराधिक

इतिहास है उन अपराधियों को बचाते हैं। इस तरह से तो अपराध कभी नहीं रुकेगा। इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी के प्रार्थना करना चाहती हूं कि ऐसी सरकार से तो आपका ग्राफ नीचे जाएगा। आपके पास पूर्ण बहुमत नहीं है और आपने इधर-उधर से खरीद-फरोख्त करके जो सरकार बनाई है वह माफियाओं को, अपराधियों को बढ़ावा दे रही है। आज उत्तर प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति नजर नहीं आ रही है, वहां पर जंगल राज नजर आ रहा है। अगर आप अपने ग्राफ को नीचे गिरने से बचाना चाहते हैं तो उत्तर प्रदेश की सरकार को बर्खास्त करके राट्रपति का शासन लगाएं और वहां पर इलेक्शन कराएं और जनता जिसको चाहती है वहां उसकी सरकार बने। नहीं तो वहां पर उत्पीड़न बड़े पैमाने पर बढ़ता चला जाएगा।

MR. SPEAKER: We have to take up certain other important business also. I have given you the special permission to raise this matter.

**कुमारी माया्वती :** माननीय अध्यक्ष जी, जो मृतकों के परिवार के लोग हैं उनको टूंडला में केवल दो-दो लाख रुप्ये दिये गये हैं, उनकी जवान विधवाएं हैं, इसलिए मेरी आप्से प्रार्थना है कि उन्हें दो लाख की जगह पांच लाख की सहायता दी जानी चाहिए तथा उनके परिवार के सद्स्य को नौकरी मिलनी चाहिए और जो दोाी अधिकारी हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मैं पुनः आप्से प्रार्थना करना चाहती हूं कि उत्तर प्रदेश के अंदर दलितों की हत्याओं के साथ-साथ उनका अपहरण भी हो रहा है, उनके साथ हर प्रकार की ज्यादतियां हो रही हैं। आप भारत सरकार के गृह मंत्री हैं, इसलिए मैंने जो-जो बिंदू उठाएं हैं उन पर कार्रवाई करें और यदि कोई भी राज्य सरकार कानून और व्यवस्था को बनाये रखने में असफल हो जाती है तो केन्द्र की सरकार को दखल देकर वहां की स्थिति को काबू करना चाहिए, अन्यथा वहां पर बहुत बुरा हाल हो जायेगा। इसके साथ-साथ मैं अपने लेबर मिनिस्टर से भी प्रार्थना करना चाहती हूं कि पहली मई को टूंडला के नजदीक बसई गांव में जो अनुसूचित जाति के चार लोग मारे गये हैं वे मजदूर थे, लेबर-डे के दिन मजदूर मारे जा रहे हैं। आपको इस पर गंभीरता से सोचना चाहिए। जो बिंदू मैंने रखे हैं, मेरी आप्से प्रार्थना है कि आप उनको गंभीरता से लेकर कार्रवाई करें। â€¦( व्यवधान) मेरी बात का गृह मंत्री जी जवाब दें, फिर आप दूसरो को बोलने का मौका दें। धन्यवाद।â€¦( व्यवधान)

MR. SPEAKER: As a special case, I have allowed her to speak.

**कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ. प्र.) :** अध्यक्ष जी, यह दलितों की हत्या का मामला है।

â€¦( व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is not `Zero Hour'. As a special case, I have allowed her to speak.

**कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ. प्र.) :** अध्यक्ष जी, आज पूरे उत्तर प्रदेश की सरकार गलत रास्ते पर जा रही है। जिस सरकार में 22-22 मंत्री आपराधिक इतिहास के हों, उस सरकार से न्याय की उम्मीद कैसे की जा सकती है।â€¦( व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** क्या आपने इस पर बोलने के लिए नोटिस दिया है?â€¦( व्यवधान)

**कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ. प्र.) :** नोटिस दिया है, मान्यवर।â€¦( व्यवधान)

**श्री सुशील कुमार शिंदे (शोलापुर) :** अध्यक्ष जी, नोटिस का सवाल ही नहीं आता है।â€¦( व्यवधान)

MR SPEAKER: How can you speak without the permission of the Chair?

**श्री श्रीप्रकाश जायस्वाल :** अध्यक्ष जी, इससे ज्यादा वीभत्स घटना और क्या हो सकती है।
हर पार्टी के एक-एक सद्स्य को एक-एक मिनट बोलने दें, जिससे वे अपनी बात रख सकें।â€¦( व्यवधान)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA (GUNA): Sir, we should also be allowed to express our views.

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) :** अध्यक्ष महोदय, न सिर्फ फिरोजाबाद के टूंडला में ऐसा हो रहा है, बल्कि आये दिन पूरे हिंदुस्तान के विभिन्न प्रांतों में अकलियतों के लोंगों और दलितों के मारे जाने की घटनाएं समाचार पत्रो में प्रकाशित होती है। बसई और नगला मस्जिद के अलावा हरदोई का भी जिक्र किया गया। मैं ऐसा मानता हूं कि यह सरकार के चरित्र की वजह से हो रहा है। यह सरकार अकलियतों के खिलाफ है, कमजोर वर्गों के खिलाफ है। सरकार का जो आचरण होता है, वही मैसेज समाज में जाता है और उसी प्रकार से लोग आचरण करते हैं â€¦( व्यवधान)

**श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी (देवरिया) :** आप किस सरकार के आचरण की बात कर रहे हैंâ€¦( व्यवधान) मायावती जी पर जब स्वयं आपकी पार्टी के लोगो द्वारा हमला किया गया था, वह किस सरकार का आचरण था। आपकी पार्टी द्वारा माननीय मायावती जी पर हमला हुआ था और भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने उनकी जान बचाई थी, किस सरकार के आचरण के बारे में बात हो रही हैâ€¦( व्यवधान) हमें जरा सरकार के आचरण के बारे में बतायें, यह किस सरकार के आचरण के बारे में बात हो रही है। यह जानी-मानी चीज है कि माननीय मायावती जी के ऊपर आपकी सरकार के जमाने में जानलेवा हमला हुआ था और हमारी पार्टी के लोगों ने उनकी जान बचाई थी और आप लोग हिमायती बन रहे हैंâ€¦( व्यवधान) मैं जानना चाहूंगा कि किस सरकार के आचरण के बारे में बात हो रही हैâ€¦( व्यवधान)

**श्री राशिद अल्वी (अमरोहा) :** यह उस समय की सरकार का ाड्यंत्र था, उस समय की सरकार चाहती थी कि मायावती जी को जान से मार दिया जाए, ताकि हिंदुस्तान के अंदर दलित लीडरशिप खत्म हो जाएंâ€¦( व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि बसई की घटना के पीछे सबसे दुखद पहलू यह है कि लावारिस लाशों को सरकार उस परिस्थिति में जलाती है जब उसका कोई वारिस न हो। घर के सब लोग प्रार्थना करते रहे, गुहार करते रहे कि लाशें हमारे सुपुर्द की जाएं,

लेकिन लाशें परिवारजनों को नहीं दी गईं। मैं परसों फिरोजाबाद जेल में उन लोगों से मिला था, जो जेल में बंद है। यह अत्यधिक दुख की बात है कि जिस परिवार का राम प्रसाद नाम का आदमी मरा है, उसी के सगे चाचा के तीन भाइयों को जेल में बंद कर दिया गया। ढोलपुरा गांव का एक राहगीर अपनी बहन के पास जा रहा था, उसे बंद कर दिया गया। इस घटना की प्रतिक्रिया स्वरूप जब लोग शांति पूर्वक आंदोलन कर रहे थे तो फिरोजाबाद, सेलई, बौधनगर और छोटा नगला मिर्जा में पी.ए.सी. और पुलिस के जवानों में लोगों को घरों में घुसकर पीटा। इसका सबसे दुखद पहलू यह है कि नगला मस्जिद में जब डकैती पड़ रही थी तो उसी समय थाने को इसके बारे में इत्तिला कर दी गई थी, लेकिन इत्तिला करने के घंटों बाद भी पुलिस वहां नहीं पहुंची और उन पुलिसकर्मियों को सिर्फ लाइन हाजिर किया गया है, जो शून्य के बराबर दंड है। अगर ऐसी घटना में कठोर दंड नहीं दिया जायेगा तो लोगो के हौसले और बुलंद होंगे। इसलिए मैं आपकी मार्फत निवेदन करना चाहता हूं कि आज जो कुछ पूरे देश में हो रहा है, उस पर व्यापक चर्चा कराये जाने की आवश्यकता है। इस मामले पर नियम 193 के अधीन चर्चा कराई जाए, जिससे सरकार का चरित्र स्पट हो जाए। मैं चाहूंगा कि बसई प्रकरण में माननीय गृह मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को कठोर कार्रवाई करने का आदेश देने की कृपा करें। धन्यवाद।

**श्री सुशील कुमार शिंदे :** अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा वक्त नहीं लूंगा, मैं केवल दो मिनट में अपना वक्तव्य खत्म कर दूंगा। महोदय, यह स्टेट सब्जेक्ट जरूर है, लेकिन चिंता का विय यह है कि एक दिन में चार-चार दलितों की जब हत्याएं होती हैं, ये किसलिए होती हैं, स्टेट सब्जेक्ट पर सरकार इंक्वायरी नहीं करती। जब स्टेट ही संरक्षक है, जब स्टेट के पुलिस अफसर ही गोली से मारते हैं तो गरीब जनता किसके पास जायेगी। आज यह भारत सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उस मामले पर इंक्वायरी क्यों न करें। हम मानते हैं कि यह स्टेट का सब्जेक्ट है। भारत सरकार की होम मिनिस्ट्री कहेगी कि हम इसमें इंटरफियर नहीं कर सकते । लेकिन कुम्हेर का हत्याकांड जब हुआ तो 12 जाटवों को जलाया था।

â€¦ ( व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are not allowing the Minister to give reply. You are simply raising the matter, but you are not listening to him.

SHRI SUSHIL KUMAR SHINDE : I am allowing him. I am just finishing my point. I must make my point so that the Minister will be able to reply in the proper perspective.

कुम्हेर का हत्याकांड हुआ तो राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी। अभी भी वहां एक-एक करके, चार-चार करके जाटवों की हत्या हो जाती है। अभी भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार वहां है। तो इस देश में जनता क्या समझे कि केन्द्र में भाजपा की सरकार हो तो दलितों को प्रोटेक्शन नहीं मिलती है और राज्य में हो तब भी प्रोटेक्शन नहीं मिलती है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि वे इस बारे में स्टेटमेंट दें और जो भी अत्याचार वहां हो रहे हैं, वे बंद हो जाएं और अभी तक दलितों पर जो अत्याचार हुआ है, डैड बॉडी भी उनके संबंधियों को नहीं दी है। मैं प्रार्थना करता हूं कि इस कार्य के लिए जिम्मेदार लोग माफी मांगें और आप सरकार को एक स्टेटमेंट देने का निर्देश दें।

â€¦ ( व्यवधान)

**गृह मंत्री (श्री लाल कृण आड्वाणी ) :** अध्यक्ष जी, देश के किसी भी भाग में दलितों का उत्पीड़न हो, दलितों पर अत्याचार या अन्याय हो या उन पर गोलीबारी की घटना हो तो स्वाभाविक है कि संसद में उसके बारे में चिन्ता प्रकट हो। मायावती जी, सुमन जी या शिन्दे जी ने उत्तर प्रदेश की इन घटनाओं की ओर ध्यान दिलाया है तो यह स्वाभाविक है लेकिन आप इस बात को स्वीकार करेंगे कि इस बारे में मेरा कर्तव्य यह बनता है कि पहले मैं उत्तर प्रदेश की सरकार से पूछूँ कि क्या घटना है, क्या हुआ है और मैं कल आकर सदन में उसका ब्यान करूंगा। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई करेंगे।â€¦ ( व्यवधान)

MR. SPEAKER: The Minister has given reply. He has categorically said that after consulting the State Government, if necessary, he would make a statement in the House. Please understand this.

SHRI RAJESH PILOT (DAUSA): Sir, we would like to raise the issue pertaining to working journalists.

MR. SPEAKER: Tomorrow, not today. Today you have consumed the entire time.

---

1427 hrs.

## PAPERS LAID ON

## THE TABLE

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI RAM JETHMALANI): I beg to lay on the Table −

(Placed in library See no. LT. 1832 to 1833/2000)

**पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बाबू लाल मरांडी) :** महोदय, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ :−

(placed in Library see no. LT. 1834 to 1835/2000)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI JAYAWANTI MEHTA): I beg to lay on the Table a copy of the Memorandum of Understanding (Hindi and English versions) between the North Eastern Electric Power Corporation Limited and the Ministry of Power for the year 2000-2001.

(Placed in library see no. Lt 1836/200)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (DR. DEBENDRA PRADHAN): I beg to lay on the Table −

(Placed in Library see no.LT 1837 to 1845/2000)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI E. PONNUSWAMY): I beg to lay on the Table −

(Placed in Library see No. LT.1846 to 1852/2000)

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI RAM JETHMALANI): On behalf of Shri O. Rajagopal, I beg to lay on the Table −

(Placed in library see no. LT 1853 to 1854/2000)

---